

महादेई वन्यजीव अभयारण्य

हाल ही में बाघ संरक्षण पर्याप्तों के लिये एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम में **बॉम्बे उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने गोवा सरकार को 24 जुलाई, 2023 से तीन माह के भीतर महादेई वन्यजीव अभयारण्य और इसके आसपास के क्षेत्रों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत बाघ रज़िर्व के रूप में अधिसूचि कराने का नरिदेश जारी कया है।**

- यह नरिणय लंबी कानूनी लड़ाई और पर्यावरणवर्दिों और संरक्षणवादियों की मांग के बाद आया है तथा इसका वन्यजीव संरक्षण तथा वनवासियों पर महत्त्वपूर्ण परभाव पड़ेगा।

नोट:

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की सलाह पर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 38V के प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकारों द्वारा बाघ अभयारण्यों को अधिसूचि कया जाता है।

महादेई वन्यजीव अभयारण्य के बारे में मुख्य तथ्य:

- स्थान और परदृश्य:
 - यह गोवा के उत्तरी भाग, संगुएम तालुका, वालपोई शहर के पास स्थिति है।
 - इसमें वज़रा सकला झरना और वरिदी झरना सहति सुरम्य झरने शामिल हैं।
 - यह वज़रा फॉल्स के पास गंभीर रूप से लुप्तपराय लंबी चौच वाले गदिधों के घोंसले के लिये जाना जाता है।
 - घने नमी वाले परणपाती वनों और कुछ सदाबहार प्रजातियों के साथ वविधि परदृश्य।
 - यह दुर्लभ और स्वदेशी संरक्षति वृक्षों के उपवनों के लिये उल्लेखनीय है।
- वनस्पत और जीव:
 - भारतीय गौर, बाघ, बार्कगि हरिण, सांभर हरिण, जंगली सूअर, भारतीय खरगोश और कई जीवों के साथ समृद्ध जैव-वविधिता।
 - वभिन्न प्रकार के साँपों की उपस्थति के कारण यह पशु चकितिसकों को आकर्षति करता है, जनिमें 'बड़े चार' वषिले साँप- भारतीय क्रेट, रसेल वाइपर, साँ-स्केल्ड वाइपर और सपेक्टैकल्ड कोबरा शामिल हैं।
 - मालाबार तोता और रूफस बैबलर जैसी कई पक्षी प्रजातियों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय पक्षी क्षेत्र नामति कया गया है।
 - यह गोवा में बाघ संरक्षण के लिये एक महत्त्वपूर्ण आवास का प्रतिनिधित्व करता है।
- अद्वितीय भौगोलिक वशिषताएँ:
 - गोवा की तीन सबसे ऊँची चोटियाँ: सांसोगोर (1027 मीटर), तलावचे सदा (812 मीटर) और वागेरी (725 मीटर)।
 - गोवा की जीवन रेखा, महादेई नदी, कर्नाटक से नकिलती है और अभयारण्य से होकर गुज़रती है तथा पणजी में अरब सागर में मिलती है।
 - अभयारण्य महादेई नदी के लिये जलग्रहण क्षेत्र के रूप में कार्य करता है।



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति संरक्षति क्षेत्रों पर वचिर कीजयि: (2012)

1. बांदीपुर
2. भतिरकनकिा
3. मानस
4. सुंदरबन

उपर्युक्त में से कसिं टाइगर रजिर्व घोषति कयिा गया है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **बांदीपुर टाइगर रजिर्व:** इसका गठन तत्कालीन वेणुगोपाला वन्यजीव पार्क के अधिकांश वन क्षेत्रों को शामिल करके कयिा गया था, जसिं 19 फरवरी, 1941 की सरकारी अधिसूचना के तहत स्थापति कयिा गया था और इस क्षेत्र को वर्ष 1985 में 874.20 वर्ग कमी. के क्षेत्र में वसितारति करने के साथ ही इसे **बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान** का नाम दयिा गया था। इस रजिर्व को वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत लाया गया था। यह दक्षिणी कर्नाटक के मैसूर तथा चामराजनगर जिलों में फैले परदृश्य में स्थति है। यह **कर्नाटक, तमलिनाडु और केरल** राज्यों के ट्राइजंक्शन क्षेत्र में स्थति एक वशिष्ट भू-भाग है। जीव-जंतुओं की जैववविधिता में तेंदुआ, रॉयल बंगाल टाइगर, जंगली बलिी, स्लॉथ भालू, एशयिई हाथी, जंगली सूअर, गरे बगुला, शाहीन बाज़, छोटा बसटर्ड-बटेर, कोबरा, हरा बेल साँप आदि शामिल हैं। **अतः 1 सही है।**
- **सुंदरबन टाइगर रजिर्व:** वर्ष 1875 में वन अधनियिम, 1865 (1865 का अधनियिम VIII) के तहत **सुंदरबन जंगल के एक बड़े भाग को स्वतंत्रता के बाद "आरक्षति" घोषति कयिा गया था, इसे वर्ष 1977 में एक वन्यजीव अभयारण्य घोषति कयिा गया और 4 मई, 1984 को एक**

राष्ट्रीय उद्यान के रूप में स्थापित किया गया था। वर्ष 1978 में सुंदरबन को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था तथा वर्ष 1973 में इसे प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बाघ आरक्षण घोषित किया गया था। यह पश्चिमी बंगाल राज्य में स्थित है। यहाँ पौधों की कुछ सामान्य प्रजातियाँ पाई जाती हैं, इनमें सुंदरी वृक्ष, गोलपति, चंपा, धुंडुल, गेनवा और हटल शामिल हैं। इन जंगलों में मैंग्रोव की लगभग 78 प्रजातियाँ हैं।

- यह वन्यजीव अभयारण्य रॉयल बंगाल टाइगर के साथ-साथ अन्य पशुओं जैसे- मछली पकड़ने वाली बल्लियाँ, मकाक, तेंदुआ, भारतीय ग्रे नेवला, जंगली सूअर, उड़ने वाली लोमड़ी और पैंगोलिन का घर है। अतः 4 सही है।
- मानस टाइगर रज़िर्व: वर्ष 1907 में इस जंगल को रज़िर्व फॉरेस्ट घोषित किया गया था। स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1950 में मानस रज़िर्व वन को वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था। वर्ष 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर के शुभारंभ के साथ मानस टाइगर रज़िर्व को आधिकारिक तौर पर घोषित किया गया था। UNESCO ने वर्ष 1985 में इसे विश्व धरोहर स्थल (प्राकृतिक) घोषित किया तथा वर्ष 1989 में UNESCO के मानव एवं जीवमंडल कार्यक्रम के तहत बायोस्फीयर रज़िर्व के रूप में नामित किया था। यह रज़िर्व तराई एवं भाबर के घास के मैदानों के मध्य में स्थित है जो अर्द्ध-सदाबहार जंगलों के साथ ही असम राज्य से भूटान के हिमालय क्षेत्रों तक वसित है। यह बाघ अभयारण्य अंतर-देशीय बाघ संरक्षण का एक उदाहरण है तथा यह भारत में असम से लेकर भूटान में रॉयल मानस तक फैला हुआ है। यह रज़िर्व रॉयल बंगाल टाइगर की आबादी में काफी समृद्ध है। पगिमी की कुछ आबादी अब केवल मानस के जंगलों में बची है तथा विश्व में कहीं और नहीं है। अतः 3 सही है।
- भितरकनिका आर्द्रभूमि: इसका प्रतिनिधित्व 3 संरक्षण क्षेत्रों द्वारा किया जाता है अर्थात् "भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान", "भीतरकनिका वन्यजीव अभयारण्य" और "गहरिमाथा समुद्री अभयारण्य"। भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान तेंदुआ, मछली पकड़ने वाली बल्लि, जंगली सूअर, चित्तीदार हरिण, सांभर, डॉल्फिन, खारे जल के मगरमच्छ का प्रमुख निवास स्थान है। हालाँकि भितरकनिका को बाघ अभयारण्य घोषित नहीं किया गया है। अतः 2 सही नहीं है। इसलिये विकल्प (B) सही उत्तर है।

प्रश्न. पारस्थितिक दृष्टिकोण से पूर्वी घाटों और पश्चिमी घाटों के बीच एक अच्छा संपर्क होने के रूप में नमिनलखित में से कसिका महत्त्व अधिक है? (2017)

- (a) सत्यामंगलम बाघ आरक्षण क्षेत्र (सत्यामंगलम टाइगर रज़िर्व)
- (b) नल्लामला वन
- (c) नागरहोले राष्ट्रीय उद्यान
- (d) शेषाचलम जीवमंडल आरक्षण क्षेत्र (शेषाचलम बायोस्फीयर रज़िर्व)

उत्तर: (a)

- सत्यामंगलम वन्यजीव अभयारण्य और टाइगर रज़िर्व भारतीय राज्य तमिलनाडु में पश्चिमी घाट के साथ एक संरक्षण क्षेत्र है।
- सत्यामंगलम वन रेंज पश्चिमी घाट और शेषाचलम वन्यजीव अभयारण्य के मध्य नीलगिरी बायोस्फीयर रज़िर्व में एक महत्त्वपूर्ण वन्यजीव गलियारा है, साथ ही चार अन्य संरक्षण क्षेत्रों के बीच एक आनुवंशिक संबंध है, जिसमें बलिगिरिगिरी स्वामी मंदिर वन्यजीव अभयारण्य, सगुर पठार, मुदुमलाई राष्ट्रीय उद्यान और बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।
- यह वर्ष 2008 में एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और वर्ष 2011 में इसका विस्तार किया गया था। यह तमिलनाडु का सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य है, जो 1,411.6 वर्ग किलोमीटर के वन क्षेत्र को कवर करता है। तमिलनाडु राज्य में प्रोजेक्ट टाइगर के हिस्से के रूप में यह वर्ष 2013 में चौथा बाघ अभयारण्य बन गया।
- नल्लामला वन दक्षिण भारत के सबसे बड़े जंगलों में से एक है। यह नल्लामला पहाड़ी पर है, जो पूर्वी घाट का हिस्सा है। इसे पाँच जिलों में विभाजित किया गया है: कुरनूल, गुंटूर, कडप्पा, महबूबनगर एवं प्रकाशम। वुडलैंड में बाघों की स्वस्थ आबादी है एवं इसका एक हिस्सा नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रज़िर्व का हिस्सा है।
- नागरहोले राष्ट्रीय उद्यान मैसूर और कोडागु के कर्नाटक क्षेत्रों में स्थित है। नागरहोले राष्ट्रीय उद्यान नीलगिरी बायोस्फीयर रज़िर्व का हिस्सा है तथा दक्षिण में बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान एवं मुदुमलाई वन्यजीव अभयारण्य और पश्चिम में वायनाड के साथ हाथियों व बाघों जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों के लिये सबसे अच्छी तरह से संरक्षण आवासों में से एक है।
- शेषाचलम पहाड़ियाँ आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कडप्पा जिलों के कुछ हिस्सों में फैली हुई पहाड़ी शृंखलाएँ हैं और वर्ष 2010 में शेषाचलम बायोस्फीयर रज़िर्व के रूप में नामित की गई हैं। बायोस्फीयर रज़िर्व में लाल चंदन के बड़े भंडार हैं। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

स्रोत: द हिंदू